

नदियां छलनी, पहाड़ जमींदोज, माफिया बेखौफ

नवभारत टीम
भोपाल, 19 सितंबर. बारिश के बीच भी प्रदेश में अवैध खनन माफिया बेखौफ है. पत्थर-मुरम की खदानों में मशीनें धड़ल्ले से गरज रही हैं, जबकि मानसून में खनन को लेकर पर्यावरणीय और सुरक्षा शर्तें लागू हैं. राजधानी भोपाल से लेकर अलग-अलग जिलों में अवैध खनन किया जा रहा है.

बीते तीन साल में 3846 अवैध उत्खनन के प्रकरण दर्ज हुए. इनमें 3469 मामलों में सिर्फ जुर्माना हुआ. यही वजह है कि बारिश में भी खदानों में मशीनें बेधड़क चल रही हैं. अवैध उत्खनन पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग पाया है. सवाल खनन माफिया के दुस्साहस से ज्यादा खनिज विभाग के साथ-साथ पुलिस प्रशासन पर है, जिसकी निगरानी के बावजूद मानसून में भी खदानों की मशीनें बेखौफ गरज रही हैं. प्रदेश में 718 प्रमुख खदानें और 42 जिलों में रेत का उत्खनन होता है.

प्रदेश में रेत से लेकर कीमती खनिज तक का धड़ल्ले से हो रहा अवैध खनन, जिम्मेदार मौन



नदी में नावें, पहाड़ों पर मशीनें... मालवा-निमाड़ में खनन का खेल बेधड़क

प्रतिबंध के बावजूद देवास के नेमावर-खातेगांव क्षेत्र में इमलीघाट, बिजलगंवा, करौद, चिचली और दर्यत जैसे घाटों पर नदी के बीच से रेत निकाले जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं. नावों में जाली लगाकर रेत जमा की जा रही है, कहीं मोटरपंप से नदी की रेत खींची जा रही है और फिर ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से बाहर भेजी जा रही है. दूसरी तरफ देवास शहर के आसपास की पहाड़ियों में मुरम की खुदाई ने प्राकृतिक स्वरूप बदल दिया है. ग्रामीणों के मुताबिक कई ट्रैक्टर बिना नंबर प्लेट के घाटों तक पहुंचते हैं. खनिज विभाग का कहना है कि टीम पहुंचने से पहले ही मुखबिरों के जरिए सूचना पहुंच जाती है.



अवैध खनन से सरकार को हजारों करोड़ की चपत

खनिज गतिविधियों से जुड़े जिला खनिज प्रतिष्ठान मद में भी बड़ा वित्तीय आंकड़ा सामने आया है. सरकार के अनुसार वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2024-25 तक प्रदेश में 3734.85 करोड़ रुपए जमा हुए, जबकि इसी अवधि में 1109.33 करोड़ रुपए खर्च किए गए. अवैध खनन से सरकार के राजस्व में भी चपत लग रही है.

खनन से 3972 परिवार विस्थापित

खनन परियोजनाओं के कारण पिछले तीन वर्षों में अनुपपुर, उमरिया और सिंगरौली में विस्थापन की स्थिति भी सामने आई है. अनुपपुर में 412 व्यक्ति/परिवार विस्थापित हुए, जिनमें 214 अनुसूचित जनजाति परिवार शामिल हैं. उमरिया में 91 विस्थापित हुए, जिनमें 64 अनुसूचित जनजाति परिवार हैं. सिंगरौली में सबसे ज्यादा 3469 विस्थापित हुए, जिनमें 1185 अनुसूचित जनजाति परिवार शामिल हैं. इन तीन जिलों को मिलाकर 3972 व्यक्ति/परिवार विस्थापन की श्रेणी में आए. सरकार के अनुसार सभी विस्थापितों के पुनर्वास और मुआवजे की राशि प्रदान करने की कार्यवाही की जा चुकी है.

खदान से क्रेशर, नदी से डंपर और हीरे से बाजार तक... विंध्य में खनिज माफिया का पूरा नेटवर्क

विंध्य की खनिज संपदा पर अवैध कारोबारियों की पकड़ की तस्वीर सतना-मैहर से रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली और पन्ना तक दिखाई देती है. सतना-मैहर में चूना पत्थर और बॉक्साइट, रीवा-मऊगंज में पत्थर और पटिया तो सिंगरौली-सीधी में रेत के अवैध उत्खनन की शिकायतें हैं. विधानसभा के रिकॉर्ड में भी रीवा और सिंगरौली में अवैध उत्खनन के प्रकरण दर्ज होने की जानकारी सामने आ चुकी है. सीधी में बंद रेत खदानों के बावजूद

अवैध उत्खनन पर मशीनें और वाहन जब्त किए गए. पन्ना में मामला पत्थर से आगे हीरे तक पहुंचता है. स्वीकृत क्षेत्र से बाहर खनन और प्रभावशाली लोगों के नाम पर खदान संचालन के आरोपों ने निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं. यानी पहाड़ हो या नदी, पत्थर हो या हीरा-खदान से डंपर, डंपर से क्रेशर और क्रेशर से बाजार तक एक पूरा नेटवर्क दिखाई देता है. सवाल यह है कि कार्यवाही के बाद भी यह कारोबार कैसे खड़ा हो जाता है.

महाकौशल में माफिया फील्ड पर... माइनिंग का मैदानी सिपाही गायब, नर्मदा का बेधड़क दोहन

महाकौशल में जमीन के नीचे छिपी खनिज संपदा ऊपर आते-आते अवैध कारोबार का हिस्सा बन रही है. बालाघाट में बॉक्साइट, कटनी में आयरन और तो जबलपुर में नर्मदा-हिरन की रेत-खनन का खेल सिर्फ एक खनिज या एक जिले तक सीमित नहीं है. सरकारी रिकॉर्ड और हाल की कार्यवाही खुद बता रही हैं कि अवैध उत्खनन का दायरा कितना बड़ा है. बालाघाट में अवैध रेत उत्खनन की जांच में 16 वाहन जब्त और सात



चंबल का सीना छलनी, रेत माफिया का पूरा अंचल में जाल, खौफ में जी रहे घड़ियाल

ग्वालियर में पार्वती-सिंध के घाटों से पनडुब्बियों के जरिए रेत निकाली जा रही है. दतिया में सिंध और पकून पर अस्थायी पुल तक बनाकर रेत बाहर ले जाने के मामले सामने आए हैं. श्योपुर में चंबल-पार्वती के घाटों से ट्रैक्टर-ट्रॉलियों की आवाजाही और घड़ियाल अभयारण्य क्षेत्र में खनन पर्यावरण के लिए खतरा बना है. मुरैना में चंबल और आसन नदी के घाटों पर लगातार कार्यवाही के बावजूद अवैध परिवहन पकड़ में आ रहा है.



एक नजर में

48 घंटे में डेंगू-स्वाइन फ्लू के 5 नए मरीज ग्वालियर. बदलते मौसम और लगातार बारिश के बीच जिले में मौसमी और संक्रामक बीमारियों का प्रकोप बढ़ रहा है. पिछले 48 घंटे में डेंगू और स्वाइन फ्लू के पांच नए मरीज सामने आए हैं. इनमें स्वाइन फ्लू के तीन और डेंगू के दो मरीज शामिल हैं. स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से सितंबर तक जिले में डेंगू के 96, स्वाइन फ्लू के 10 और चिकनगुनिया के छह पुष्ट मामले सामने आ चुके हैं.

21 करोड़ की साइबर ठगी में आठवां आरोपी गिरफ्तार ग्वालियर. ग्वालियर के 70 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट अशोक विजयवर्गीय से 21 करोड़ 5 लाख 92 हजार रुपए की साइबर ठगी के मामले में राज्य साइबर पुलिस ने छत्तीसगढ़ के कबीरधाम से कारोबारी मिथिलेश जायसवाल को गिरफ्तार किया है. पुलिस के अनुसार वह मामले में आठवां आरोपी है. उसका भाई गिरिजेश पुलिस की कार्यवाही से पहले फरार हो गया.

बस की टक्कर से कार सवार चार की मौत

सागर, 19 सितंबर. बहेरिया थाना क्षेत्र में सागर-दमोह-जबलपुर स्टेट हाईवे पर शनिवार दोपहर तेज रफ्तार निजी यात्री बस की टक्कर से कार सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है. घायल का निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है.



बस ने उसे टक्कर मार दी. हादसे में रामपुर वार्ड निवासी निर्मल चंद जैन उर्फ मुन्ना कोयला (62) और प्रशांत जैन (46) तथा हरियाणा निवासी विकास पिता जगदीश कुमार की मौके पर ही मौत हो गई. एक अन्य घायल ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया. उसकी पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है. कार सवार एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है. पुलिस ने पंचनामा कार्यवाही के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है.

होटल में गैस सिलेंडर में आग लगने से दो की मौत, एक गंभीर

दमोह, 19 सितंबर. देहात थाना क्षेत्र में जबलपुर स्टेट हाईवे स्थित होटल रॉयल दमवंती पैलेस में शनिवार दोपहर गैस सिलेंडर में आग लगने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक झुलस गया. हादसा खाना बनाने के दौरान गैस सिलेंडर की पाइप निकलने के बाद हुआ. आग बुझाने के प्रयास में कैंटरिंग के तीन कर्मचारी झुलस गए. तीनों कर्मी छत्तीसगढ़ के थे.



कुपोषण से हुई बैगा बच्चों की मौत एनआईडीएसपी के विशेषज्ञ डॉ. नरेश ने रिपोर्ट में किया दावा

इंदौर, 19 सितंबर. फरीद युनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज के महामारी विशेषज्ञ डॉ. नरेश पुरोहित की सर्वे रिपोर्ट ने बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं. उन्होंने बालाघाट जिले के 32 बैगा बच्चों की मौत का कारण कुपोषण, रक्ताल्पता, साफ पेयजल की कमी को बताया है. पुरोहित ने शनिवार को इंदौर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान में आयोजित राष्ट्रीय

पत्नी और तीन बच्चों की हत्या, पति गिरफ्तार

दमोह। जिले के मगरोन थाना क्षेत्र के ग्राम कबीरपुर में शनिवार सुबह एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या की सनसनीखेज घटना सामने आई है।

जानकारी के अनुसार पारिवारिक विवाद के चलते पति ने अपनी पत्नी और तीन बच्चों पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिसमें चारों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान खेमा बाई (27 वर्ष), उर्मिला (7 वर्ष), उमेश (4 वर्ष) और राजा पटेल (1 वर्ष) के रूप में बताई जा रही है। घटना



मगरोन थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी। एसपी आनंद कलादिग ने बताया कि सुबह 6 बजे सूचना मिली कि पति ने पत्नी और तीन बच्चों की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी है। सूचना पर डायल 112 मौके पर पहुंची। उसके बाद हम लोग भी घटनास्थल पहुंचे तो देखा कि आरोपी ने अपनी पत्नी के अलावा, 7 साल 5 साल और 1 साल के बेटे की हत्या कर दी है। आरोपी कुल्हाड़ी के साथ ही बाहर बैठा था। जिसे पुलिस ने अभिरक्षा

में लेकर उससे पूछताछ शुरू कर दी है। पूछताछ में सामने आया है कि पति-पत्नी के बीच एक साल से विवाद चल रहा था। पत्नी की तरफ से मगरोन थाना में पति के खिलाफ शराब पीकर मारपीट और गाली गलौच का मामला भी दर्ज कराया था। शुक्रवार को भी इनके बीच विवाद हुआ। जिसके बाद आरोपी के ससुर उसे समझाने के लिए गांव पहुंचे थे। रात में पत्नी और बच्चे सो गए तो सुबह करीब 4:30 बजे आरोपी ने कुल्हाड़ी से चारों की हत्या कर दी है।

उपलब्धि धार्मिक स्थलों के अलावा दर्जनभर स्थानों पर पहुंचे पर्यटक, शूटिंग से बढ़ा आकर्षण

‘हनुमान अंश’ ने दी चित्रकूट को नई पहचान

नवभारत न्यूज
सतना, 19 सितंबर. हिन्दी सिनेमा की बायोपिक फिल्म हनुमान अंश ने भगवान राम की तपोस्थली चित्रकूट के कई अनजाने स्थलों को नई पहचान दी है. फिल्म में दिखाए गए स्थानों को देखने के लिए अब पर्यटक पहुंचने लगे हैं. हालांकि इनमें से कई स्थल अभी विकसित नहीं हैं और स्थानीय स्तर पर उनकी पहचान सीमित है.

फिल्म के निर्देशक विशाल चतुर्वेदी ने धार्मिक भावनाओं और चित्रकूट की आध्यात्मिक पहचान को ध्यान में रखते हुए शूटिंग के लिए ऐसे स्थानों का



80 प्रतिशत शूटिंग चित्रकूट के आसपास हुई
फिल्म में चित्रकूट के प्रसिद्ध रामघाट को भी शामिल किया गया है. मान्यता है कि इसी क्षेत्र में गोस्वामी तुलसीदास को हनुमानजी के दर्शन होने का प्रसंग जुड़ा हुआ है. इसके अलावा मंदाकिनी तट स्थित पंजाबी बाबा आश्रम में फिल्म का पहला दृश्य शूट किया गया. शिवरामपुर में हवालात का दृश्य फिल्माया गया, जहां निर्देशक को बाद में जानकारी मिली कि उसी कम्परे में कभी नीम करौली बाबा की ठहरे थे. परमहंस आश्रम धारकुंडी स्थित अधर्मण कुंड में भी फिल्म के कई दृश्य शूट किए गए. फिल्म देखने वाले लोगों का दावा है कि इसके करीब 80 प्रतिशत हिस्से की शूटिंग चित्रकूट और आसपास के क्षेत्रों में हुई है. फिल्म के माध्यम से चित्रकूट के धार्मिक स्थलों के साथ-साथ कई प्राकृतिक और आध्यात्मिक स्थलों को भी पहचान मिली है. अब ये स्थान पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन रहे हैं.

यहां अनेक साधु-संत और मुनि तपस्या करते रहे हैं. मंदाकिनी नदी के किनारे स्थित दुर्गम जंगल और

पहाड़ी क्षेत्र अपनी प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक वातावरण के लिए प्रसिद्ध हैं.

भारत को सप्लाई चेन का केंद्र बनाने पर सहमति

इकोसिस्टम का निर्माण। थीम पर आयोजित तीन दिवसीय सेमीनार इंडिया के समापन पर भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला का मजबूत केंद्र बनाने पर जोर दिया गया. सम्मेलन में वैश्विक कंपनियों और सरकार के बीच चिप आपूर्ति श्रृंखला में भारत की भूमिका बढ़ाने को लेकर चर्चा हुई. सरकार सेमीनार 2.0 के तहत केवल चिप निर्माण तक सीमित न रहकर डिजाइन, मशीन, उपकरण और अनुसंधान एवं विकास सहित पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को देश में विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ रही है.